

सरहद पार से हथियारों की तस्करी के माँड़यूल से जुड़े चार आरोपी सात पिस्तौलों सहित गिरफ्तार

गैर-कानूनी हथियारों की खेप आगे आपराधिक तत्वों में बांटी जा रही थी : डीजीपी गौरव यादव

समर न्यूज़ | अमृतसर

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए जारी मुहिम के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सात आधुनिक पिस्तौलों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर सरहद पार से हथियारों की तस्करी के एक और माँड़यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान समरबीर सिंह उर्फ सिमर (21) निवासी महिंद्रा कॉलोनी, अमृतसर; सतनाम सिंह उर्फ सत्ता (23) निवासी गांव फतेहपुर, तरनतारन, जो वर्तमान में अमृतसर



के कृष्णा नगर में रह रहा था; तनुप्रीत सिंह (26) निवासी प्रताप नगर, अमृतसर; और करनजोत सिंह उर्फ साजन (26) निवासी कृष्णा नगर, अमृतसर के रूप में हुई है। बरामद किए गए हथियारों में ऑस्ट्रिया निर्मित दो 9 एएमएम ग्लॉक, चीन निर्मित चार .30 बोर और एक .30 बोर पिस्तौल शामिल हैं। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि

प्रारंभिक जांच के अनुसार गिरफ्तार आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि गैर-कानूनी हथियारों की खेप सरहद पार से ड्रोन के जरिए भेजी गई थी, जिसे स्थानीय सहयोगियों के माध्यम से आगे आपराधिक तत्वों में वितरित किया जा रहा था। डीजीपी ने कहा कि आरोपियों के अन्य साथियों

का पता लगाने के लिए नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों की जांच की जा रही है। कार्रवाई के विवरण साझा करते हुए पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर एक योजनाबद्ध कार्रवाई में आरोपी समरबीर उर्फ सिमर को दो ग्लॉक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार किया गया था। आरोपी से पूछताछ के बाद आगे की कार्रवाई में उसके तीन अन्य साथियों सतनाम उर्फ सत्ता, तनुप्रीत सिंह और करनजोत उर्फ साजन को भी गिरफ्तार कर लिया गया, जिनके खुलासों के आधार पर पांच और पिस्तौल बरामद किए गए। पुलिस आयुक्त ने बताया कि आरोपी सतनाम उर्फ सत्ता पहले भी व्यावसायिक मात्रा में हेरोइन की

बरामदगी से संबंधित एक मामले में शामिल रहा है, जिसमें उसके कब्जे से 8 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। उन्होंने आगे बताया कि सतनाम सत्ता और करनजोत उर्फ साजन एक ही मोहल्ले में रहते हैं और पाकिस्तान-आधारित हैंडलर के निर्देशों पर मिलकर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जांच में यह भी सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी पढ़े-लिखे हैं और पहले एक निजी फर्म में सेल्समैन के रूप में काम कर चुके हैं। सभी आरोपी आसपास के इलाकों में रहते हैं और एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते हैं। इस संबंध में अमृतसर के पुलिस थाना छावनी में शस्त्र अधिनियम की धारा 25 (1-ए, 6, 7, 8) के तहत एफआईआर नंबर 70 दिनांक 30-04-2026 दर्ज की गई है।

12 किलो हेरोइन समेत 3 तस्कर काबू पाकिस्तान आधारित तस्कर से जुड़े थे आरोपी : डीजीपी गौरव यादव

समर न्यूज़ | अमृतसर

पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के अभियान के तहत कार्डेर इंटीलजेंस (सीआई) अमृतसर को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से हो रही नशा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 12 किलो हेरोइन बरामद की गई है। यह जानकारी रविवार को पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरनतारन के गांव सकात्रा निवासी गुरजंत सिंह तथा तरनतारन के ही गांव बुग्गा निवासी अरविंदर सिंह और जशनप्रीत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से हेरोइन के अलावा एक काले रंग की हीरो मोटरसाइकिल (PB46AL2286) भी जब्त की है, जिसका इस्तेमाल नशे की खेप पहुंचाने के लिए किया जा रहा था।



डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी गुरजंत सिंह पाकिस्तान में बैठे एक तस्कर के संपर्क में था। पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए उसके गांव के आसपास हेरोइन की खेप भेजी जाती थी, जिसे वह अपने साथियों अरविंदर सिंह और जशनप्रीत सिंह तक पहुंचाता था। उन्होंने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गुरजंत सिंह

को ड्रोन के जरिए बड़ी खेप मिली है और वह इसे अपने साथियों तक पहुंचाने वाला है। सूचना के आधार पर कार्डेर इंटीलजेंस अमृतसर की टीम ने अमृतसर-चंबाल रोड स्थित टोल प्लाजा के पास विशेष नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम ने तीनों आरोपियों को रोककर तलाशी ली, जिसमें उनके पास से 12 किलो हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने तुरंत तीनों को गिरफ्तार कर लिया। डीजीपी ने कहा कि इस पूरे नेटवर्क के आगे और पीछे के लिंक खंगाले जा रहे हैं ताकि इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा सके। इस मामले में स्टेट स्पेशल अप्रेशन सेल, अमृतसर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25 और 29 के तहत एफआईआर नंबर 28, दिनांक 2 मई 2026 दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि आने वाले दिनों में इस मामले में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

गुजरात भाजपा अध्यक्ष के बयान पर राहुल-प्रियंका ने जताई आपत्ति



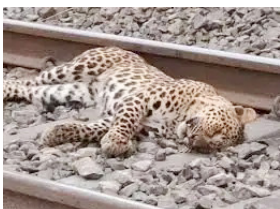
समर न्यूज़ | नई दिल्ली

गुजरात भाजपा अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा के बनासकांठा में एक सभा के दौरान कांग्रेस सांसद गेनीबेन ठाकरे पर दिए कथित बयान पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने इस टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे महिलाओं के प्रति अपमानजनक बताया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि यह टिप्पणी न केवल शर्मनाक है बल्कि पार्टी की महिला-विरोधी सोच

को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान की बात करने के बावजूद इस तरह की घटनाओं पर प्रधानमंत्री की चुप्पी चिंताजनक है। वहीं, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्वा ने भी इस कथित टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक और अपमानजनक बताया। उन्होंने कांग्रेस सांसद गेनीबेन ठाकरे के समर्थन में कहा कि वह उनके संघर्ष से परिचित हैं और इस मुद्दे पर उनके साथ खड़ी हैं। महिलाओं के सम्मान से जुड़े ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

सतना में ट्रेन की चपेट में आने से तेंदुए की मौत तिघरा फाटक के पास पटरी पर मिला शव

एजेंसी | सतना



■ **प्राथमिक जांच में ट्रेन टक्कर से मौत**
प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि करीब 2 से 2.5 वर्ष का तेंदुआ रेलवे ट्रैक पार करते समय किसी तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव के पास खून के निशान और शरीर पर चोट के गहरे घाव पाए गए हैं। वन विभाग ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वन विभाग द्वारा अन्य संभावित कारणों को भी ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सटीक कारणों

की पुष्टि हो पाएगी।
■ **लोगों की भीड़, वन विभाग की सतर्कता**
घटना की जानकारी सोशल मीडिया पर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचने लगे। तेंदुए को नजदीक से देखने की जिज्ञासा के चलते भीड़ बढ़ती गई, जिसे वन अमले ने समझाड़श देकर हटाया। लगातार हो रही घटनाएं, बढ़ती चिंता सतना वन मंडल में रेलवे ट्रैक पर वन्यजीवों की मौत का यह तीसरा मामला है। इससे पहले 2016 में एक बाघ और 2025 में एक शावक की भी ट्रेन की चपेट में आकर मौत हो चुकी है।
को लगातार हो रही ऐसी घटनाएं वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि पानी और भोजन की तलाश में वन्यजीव अक्सर रेलवे ट्रैक पार करते हैं, जिससे इस तरह के हादसे बढ़ रहे हैं।

कांग्रेस छोड़ चुके नेताओं से गुरप्रताप गिल की वापसी की अपील

मनप्रीत सिंह | रूपनगर

समर न्यूज़

रूपनगर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस नेता और पूर्व एडिशनल एडवोकेट जनरल गुरप्रताप सिंह गिल ने पार्टी छोड़ चुके नेताओं और कार्यकर्ताओं से वापस लौटने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जो साथी किसी नाराजगी या परिस्थितियों के कारण पार्टी से दूर हो गए थे, वे पुरानी बातों को भुलकर दोबारा कांग्रेस में शामिल हो और संगठन को मजबूत करें। गुरप्रताप गिल ने कहा कि सभी को नई सोच और नए जोश के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पार्टी में हर कार्यकर्ता और नेता को पूरा सम्मान मिलेगा और सभी की बात सुनी जाएगी। उन्होंने कहा कि रूपनगर में कांग्रेस को फिर से एकजुट करना समय की जरूरत है।

योगी सरकार के 12 मेगा स्किल हब और 63 जिला केंद्र बनेंगे विकास की धुरी

एजेंसी | लखनऊ

योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को रोजगारपरक कौशल से जोड़ने के लिए 'सरदार पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन्स के तहत 12 मेगा स्किल हब और 63 जिला स्किल केंद्र स्थापित करेगी। यह मेगा स्किल हब और जिला स्किल केंद्र प्रदेश की आर्थिक प्रगति के साथ-साथ युवाओं के भविष्य को भी मजबूत आधार देंगे। इसके लिए योगी सरकार करीब 14,760 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके जरिये योगी सरकार ने हर साल 10 लाख से अधिक युवाओं को एडवांस स्किलिंग देने का लक्ष्य रखा है।
■ **हब एंड स्पोक मॉडल से बदलेगी तस्वीर** - राज्य सरकार के प्रवक्ता के अनुसार प्रदेश के 12 बड़े शहरों क्रमशः लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर, वाराणसी, गोरखपुर, आगरा, मेरठ, सहारनपुर, झांसी, बरेली, मुरादाबाद और



गाँजियाबाद में मेगा स्किल हब बनाए जाएंगे। इनके साथ जुड़े 63 जिला स्किल केंद्र 'स्पोक' के रूप में काम करेंगे। इस मॉडल के जरिए हर जिले तक कौशल विकास और उद्योगों की पहुंच सुनिश्चित की जाएगी। मेगा स्किल हब जहां बड़े स्तर पर प्रशिक्षण और उद्योगों को आकर्षित करेंगे, वहीं जिला केंद्र स्थानीय युवाओं को उनकी जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण देंगे। इसकी विशेषता है कि इसमें स्किलिंग आदि औद्योगिक विकास को एक साथ जोड़ा गया है। योगी सरकार का उद्देश्य हर जिले में ऐसे औद्योगिक जोन विकसित करना

है, जहां युवाओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ रोजगार और स्वरोजगार के अवसर भी मिलें। इन केंद्रों में तकनीकी कौशल के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल, भाषा प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता और आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसके अलावा उद्योगों के लिए 'प्लग एंड प्ले' सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा।
■ **रोबोटिक्स, डेटा एनालिटिक्स, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन का दिया जाएगा प्रशिक्षण** - स्किल हब और जिला केंद्रों में प्रशिक्षण की विविध श्रेणियां होंगी। इसमें पारंपरिक कौशल के साथ-साथ आधुनिक और भविष्य आधारित कौशल जैसे रोबोटिक्स, डेटा एनालिटिक्स, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, डिजिटल मार्केटिंग आदि शामिल होंगे। स्थानीय जरूरतों के अनुसार कौशल चयन किया जाएगा, जिससे 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट

(ओडीओपी) जैसी योजनाओं को भी मजबूती मिलेगी। इससे न केवल स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि युवाओं को अपने ही जिले में रोजगार के अवसर मिल सकेंगे। योजना में सरकार के साथ निजी क्षेत्र की भी अहम भूमिका होगी। सरकार बुनियादी ढांचा और प्रारंभिक निवेश उपलब्ध कराएगी जबकि संचालन और प्रशिक्षण का काम निजी साझेदारों के जरिए किया जाएगा।
शुरुआती पांच वर्षों तक वायबिलिटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) के जरिए इन संस्थानों को सहयोग दिया जाएगा। इससे स्किलिंग सेंटर और उद्योग इकाइयां आत्मनिर्भर बन सकेंगी और लंबे समय तक टिकाऊ विकास सुनिश्चित होगा। इन मेगा स्किल हब और जिला केंद्रों में आधुनिक बुनियादी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इनमें बिजली, पानी, सड़क, इंटरनेट, सुरक्षा, आवास, खेल और मनोरंजन जैसी सुविधाएं शामिल होंगी।

सम्मेलन पंजाब का ओबीसी समाज एकजुट हो जाए, अगली बार भाजपा की सरकार बनेगी: नायब सिंह सैनी

भाजपा जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में ओबीसी सम्मेलन आयोजित

मनप्रीत सिंह | रूपनगर
समर न्यूज़

आज केएस रिजॉर्ट्स, रोपड़ में एक विशाल ओबीसी सम्मेलन का आयोजन किया गया, जो भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अजयवीर सिंह लालपुरा के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ भाजपा पंजाब कार्यकारी अध्यक्ष अश्विनी शर्मा, राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू तथा भाजपा के पार्लियामेंट्री बोर्ड सदस्य इकबाल सिंह लालपुरा भी विशेष तौर पर पहुंचे। प्रोग्राम के प्रारंभ में इकबाल सिंह लालपुरा तथा ओबीसी समाज के प्रमुख नेताओं द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। जिला अध्यक्ष अजयवीर सिंह लालपुरा ने



सभी अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि यह सम्मेलन ओबीसी समाज की एकता और अधिकारों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में "डबल इंजन सरकार" के तहत हो रहे तेज विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। सैनी ने कहा कि केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही

देश और समाज का वास्तविक विकास संभव है। उन्होंने ओबीसी समाज से एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। इकबाल सिंह लालपुरा ने अपने संबोधन में हरियाणा की विकास गति की तुलना पंजाब से करते हुए नायब सिंह सैनी की कार्यशैली की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हरियाणा भाजपा सरकार के तहत तेजी से आगे बढ़ रहा है जबकि पंजाब पिछड़ता जा रहा है। अश्विनी शर्मा ने पंजाब सरकार

पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी के शासन में पंजाब की स्थिति खराब हुई है। अजयवीर सिंह लालपुरा ने अपने संबोधन में पंजाब में विकास के मुद्दों को उठाते हुए ओबीसी समाज से एकजुट होने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज की ताकत ही उसकी एकता में है और इसी के बल पर राजनीतिक व सामाजिक अधिकार प्राप्त किए जा सकते हैं। इस सम्मेलन में बड़ी

संख्या में गणमान्य व्यक्ति एवं समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें जगदीश चंदर काजला (सिटी प्रेसिडेंट रोपड़), वरिंदर राणा (इंचार्ज), बलकृष्ण कुकू, राकेश कुमार गोस्वा, दर्शन सिंह सैनी, अमनप्रीत सिंह काबड़वाल, मदन लाल, डॉ. हजारी लाल, परमजीत सिंह पम्मा, शिव कुमार, संतोष सिंह, कमल फौजी, जसपाल, रणवीर सिंह, राजिंदर सिंह राजू, धर्मपाल, जतिंदरपाल सिंह हैप्पी, राजेश्वर राणा, वरिंदर कुमार विककी, गुरनैब सिंह, डॉ. इंदरजीत सिंह, राजेश गौतम, मंजीत सिंह, जगमदीप सिंह, जीवन सिंह, भूपिंदर सिंह, संतोष सैनी, धरमिंदर सिंह भिंदा, राकेश गोसा, सहित कई अन्य प्रमुख हस्तियां शामिल रहीं। यह सम्मेलन ओबीसी समाज के राजनीतिक सक्रियकरण, एकता और भविष्य की दिशा तय करने के उद्देश्य से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सीएम मोहन यादव करेंगे इंदौर-पीथमपुर कॉरिडोर के पहले चरण का भूमि पूजन

एजेंसी | भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इन्दौर में इन्दौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना के प्रथम चरण का भूमि-पूजन करेंगे। प्रदेश को सुदृढ़ औद्योगिक आधार और आदर्श निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह कॉरिडोर महत्वपूर्ण साबित होगा। कार्यक्रम में शॉर्ट फिल्म के माध्यम से कॉरिडोर के स्वरूप, संभावनाओं और क्षेत्रीय प्रभावों को दिखाया जाएगा। जनसमर्पक अधिकारी बबोता मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कॉरिडोर इन्दौर एयरपोर्ट के समीप स्थित सुपर कॉरिडोर को पीथमपुर निवेश क्षेत्र से जोड़ते हुए एक सुव्यवस्थित औद्योगिक धुरी के रूप

में विकसित किया जा रहा है। इसके माध्यम से न केवल औद्योगिक इकाइयों को बेहतर कनेक्टिविटी प्राप्त होगी, बल्कि लॉजिस्टिक्स, परिवहन और बाजार तक पहुंच भी अधिक प्रभावी बनेगी। यह परियोजना इन्दौर क्षेत्र में विकसित हो रहे औद्योगिक क्लस्टरों को एकीकृत कर निवेश के लिए एक संगठित और सक्षम वातावरण तैयार करेगी। जनसमर्पक अधिकारी के अनुसार, इन्दौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का माध्यम से पीथमपुर निवेश क्षेत्र, लॉजिस्टिक हब, टेक्स्टाइल और मैनुफैक्चरिंग इकाइयों को एकीकृत कनेक्टिविटी प्राप्त होगी। इससे उत्पादन और वितरण तंत्र अधिक प्रभावी बनेगा और उद्योगों के लिए संचालन की प्रक्रिया सरल होगी। यह परियोजना प्रदेश में निवेश प्रवाह को सुदृढ़ करने और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होगी। परियोजना की

प्रमुख विशेषताएं परियोजना के अंतर्गत सुपर कॉरिडोर से पीथमपुर निवेश क्षेत्र तक लगभग 20.28 किलोमीटर लंबाई का मार्ग विकसित किया जा रहा है। लगभग 1316 हेक्टेयर क्षेत्र में नियोजित विकास का प्रावधान किया गया है, जिसके लिए कुल 2360 करोड़ ₹. की लागत निर्धारित की गई है। अधोसंरचना के तहत 75 मीटर चौड़ी मुख्य सड़क तथा उसके दोनों ओर विकसित होने वाला बफर जोन इस कॉरिडोर को भविष्य से आवश्यकताओं के अनुरूप विस्तार योग्य बनाएगा। यह कॉरिडोर राष्ट्रीय राजमार्ग-47 और राष्ट्रीय राजमार्ग-52 के बीच प्रभावी कनेक्टिविटी स्थापित करते हुए औद्योगिक परिवहन को अधिक सुगम और समयबद्ध बनाएगा। साथ ही, यह परियोजना इन्दौर क्षेत्र में संतुलित शहरीकरण और अधोसंरचना आधारित विकास को नई दिशा प्रदान करेगी।



ऊना में एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई करोड़ों की चिट्ठा खेप बरामद, कार सवार तीन युवक गिरफ्तार

राकेश | ऊना
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। ऊना जिले में कांगड़ा की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) टीम ने संतोषगढ़-ऊना रोड पर नाकेबंदी के दौरान कार सवार तीन युवकों को पकड़कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में चिट्ठा (हेरोइन) बरामद किया है। पुलिस के अनुसार बरामद चिट्ठे का वजन एक किलो पांच ग्राम है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। मिली जानकारी के मुताबिक एसटीएफ कांगड़ा की



टीम, एसपी रेनु कुमारी ने नेतृत्व में संतोषगढ़ क्षेत्र में नाका लगाकर वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान संतोषगढ़ की ओर से आ रही एक संदिग्ध कार को जांच के लिए रोका गया। तलाशी लेने पर कार से

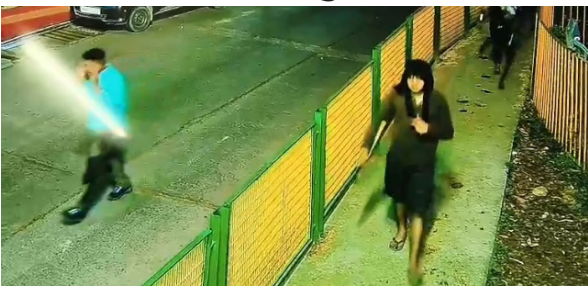
15 पैकेटों में पैक किया गया चिट्ठा बरामद हुआ। इतनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ मिलने से पुलिस भी हैरान रह गईं। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गुरमुख सिंह (पुत्र नारायण दास, निवासी बरनोह), रमन कुमार (पुत्र छज्जू राम, निवासी समूर कलां) और सर्वजीत सिंह उर्फ विन्दर (पुत्र संतोख सिंह, निवासी अप्पर देहलां) के रूप में हुई है। तीनों आरोपी ऊना जिले के अलग-अलग गांवों के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही, जिस कार में यह नशीला पदार्थ ले जाया जा रहा था, उसे भी कब्जे में ले लिया गया है।

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि चिट्ठे की यह खेप बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकती है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह नशा कहाँ से लाया गया था और इसे आगे किन क्षेत्रों में सप्लाई किया जाना था। इस मामले को लेकर पुलिस आज मीडिया को विस्तृत जानकारी भी दे सकती है।एसटीएफ कांगड़ा की इस कार्रवाई को प्रदेश में नशे के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी माना जा रहा है। बढ़ते नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस की यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

पंजगाई में देर रात बड़ी वारदात, नकदी और गहनों पर हाथ साफ कर फरार हुए बदमाश

सुभाष | विलासपुर
समर न्यूज़

बरमाणा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पंजगाई में शनिवार देर रात चोरी की एक बड़ी घटना ने इलाके में दहशत फैला दी। पूर्व प्रधान सुशील शर्मा उर्फ बब्बू के घर अज्ञात बदमाशों ने सुनियोजित तरीके से धावा बोलते हुए करीब 18 लाख रुपये की नकदी के साथ-साथ आभूषण भी चोरी कर लिए। घटना रात लगभग डेढ़ बजे के आसपास की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, उस रात कम्पे का एप्सी खराब होने के कारण सुशील शर्मा अपने सामान्य कम्पे की बजाय दूसरे कम्पे में सो रहे थे। इसी स्थिति का फायदा उठाकर चोरों ने उस कम्पे का ताला तोड़ दिया, जहां नकदी और कीमती सामान रखा हुआ था। वारदात को अंजाम देने के दौरान



बदमाशों ने बेहद चालाकी दिखाते हुए उनके सोने वाले कमरे के बाहर भारी पत्थर लगा दिया, ताकि अंदर से कोई बाहर न निकल सके।घटना का पता तब चला जब उनके बेटे सूरज को कुछ आहट महसूस हुई। उसने तुरंत अपने पिता को आवाज दी, जिससे चोर सतर्क हो गए। इसके बाद बदमाश तेजधार हथियारों के साथ मौके से भाग निकले। सूरज ने उनका पीछा करने की कोशिश भी की, लेकिन आरोपी जंगल की ओर भागने में सफल रहे। इस दौरान

उनके पास से कुछ नकदी रास्ते में गिर गई।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास चार संदिग्ध युवक दिखाई दिए हैं, जिनके हाथों में डंडे और धारदार हथियार नजर आए। पुलिस ने पूरी रात जंगलों में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन अभी तक कोई ठोस सुरंग नहीं मिल पाया है। मामले की गहन जांच जारी है।

शिक्षा मंत्री ने आनी में दुखद घटना पर जताया शोक

समर न्यूज़ | कुल्लू

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कुल्लू जिले के आनी क्षेत्र में हुई दुखद घटना में चार लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद हृदय विदारक है और पूरे समुदाय के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत की आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने इस कठिन समय में शोक संतप्त परिवारों को शक्ति प्रदान करने की भी कामना की। रोहित ठाकुर ने स्थानीय प्रशासन को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने तथा प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

हमीरपुर जिले के हड़ेटा क्षेत्र में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा नवजीवन पार्क अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। वन विभाग द्वारा तैयार किए जा रहे इस पार्क का उद्घाटन आगामी अगस्त माह में किए जाने की तैयारी है, जिसके बाद इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। करीब 125 कनाल क्षेत्र में फैले इस नवजीवन पार्क को पर्यटन की दृष्टि से आकर्षक बनाने के लिए कई सुविधाएं विकसित की गई हैं। पार्क परिसर में कॉर्टेज का निर्माण किया गया है, ताकि पर्यटक यहां ठहरने का आनंद ले सकें। इसके अलावा बच्चों के लिए किड्स प्ले एरिया और आउटडोर जिम की सुविधा भी

कांगड़ा के ब्रॉडगेज रेलवे और सड़कों की हालत पर बोले अनुराग शर्मा

राहुल | धर्मशाला
समर न्यूज़

धर्मशाला में राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा ने क्षेत्रीय विकास से जुड़े कई अहम मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले करीब 25 वर्षों से पठानकोट-जोगिंद्रनगर रेलवे लाइन को ब्रॉडगेज में बदलने की बात हो रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को केंद्रीय रेल मंत्री के समक्ष मजबूती से उठाया जाएगा। उन्होंने कांगड़ा में फोरलेन परियोजनाओं में देरी और बरसात से क्षतिग्रस्त सड़कों की खराब स्थिति पर चिंता जताई। धर्मशाला-मैकलोडगंज मार्ग की हालत सुधारने की मांग भी की। केंद्रीय विश्वविद्यालय निर्माण पर जल्द काम शुरू होने की उम्मीद जताई गई। अनुराग शर्मा ने कहा कि गगल एयरपोर्ट विस्तार से पर्यटन और अर्थव्यवस्था को फायदा होगा।

हमीरपुर में नीट परीक्षा के दौरान कड़े सुरक्षा इंतजाम, ट्रैफिक जाम से लोग परेशान

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

हमीरपुर में रविवार को राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (यूजी)-2026 शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। इस परीक्षा के लिए शहर और आसपास के क्षेत्रों में कुल पांच परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां 2773 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। परीक्षा केंद्रों में हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय मटाहणी, एनआईटी हमीरपुर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मारक स्नातकोत्तर महाविद्यालय अणु, केंद्रीय विद्यालय हमीरपुर और शहीद कैप्टन मुदुल शर्मा मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल शामिल रहे। प्रशासन और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी ने परीक्षा को सुचारु रूप से आयोजित करने के लिए विशेष प्रबंध किए थे। दूर-दराज से आने



वाले छात्रों की सुविधा के लिए सुबह 9 बजे से बस स्टैंड से एचआरटीसी की अतिरिक्त बस सेवाएं चलाई गईं, जिससे परीक्षार्थियों को केंद्रों तक पहुंचने में आसानी हुई। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क रही। सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़ी निगरानी रखी गई और अधिकारियों ने मौके पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। हालांकि, परीक्षा के दौरान अभिभावकों और छात्रों की

बड़ी संख्या में वाहनों के कारण शहर में दिनभर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही, जिससे आम लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।सुबह हुई बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया, जिससे परीक्षार्थियों को गर्मी से राहत मिली। कुल मिलाकर परीक्षा शांतिपूर्ण रही, लेकिन ट्रैफिक प्रबंधन प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया।

सलूणी की अनछुई वादियों को मिल रही नई पहचान

तलेरू फेस्ट के बाद बड़ी पर्यटकों की आमद, प्रशासन अब नए अनछुए पर्यटन स्थलों को पहचान दिलाने की तैयारी में



प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक स्थलों का संगम सलूणी को एक उभरते हुए पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है।प्रशासन ने यह भी संकेत दिए हैं कि पंचायती राज चुनावों के बाद एक और बड़े फेस्ट का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य उन स्थानों को पर्यटन मानचित्र पर लाना होगा, जहां अब

तक पर्यटक नहीं पहुंच पाए हैं। इससे न केवल स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। सलूणी के एसडीएम चंद्रवीर सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया कि “तलेरू फेस्ट” का आयोजन क्षेत्र की सुंदरता को उजागर करने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा



कि इस पहल के बाद पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कई पर्यटकों से बातचीत के दौरान यह सामने आया कि वे इसी फेस्ट के बारे में सुनकर यहां पहुंचे।उन्होंने आगे बताया कि आगामी फेस्ट के जरिए उन क्षेत्रों को भी विकसित किया जाएगा, जो अभी तक पर्यटन की दृष्टि से अछूते हैं। प्रशासन का

लक्ष्य है कि अधिक से अधिक लोग सलूणी की प्राकृतिक सुंदरता को करीब से देख सकें। एसडीएम ने यह भी कहा कि सलूणी की वादियों किसी भी मायने में कश्मीर से कम नहीं हैं, और सही दिशा में प्रयास किए जाएं तो यह क्षेत्र पर्यटन के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू सकता है।

धर्मशाला में बदला मौसम का मिजाज बारिश, तेज हवाएं और पहाड़ों पर ताजा बर्फबारी

राहुल | धर्मशाला
समर न्यूज़

धर्मशाला सहित जिला कांगड़ा में पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज गर्मी के बाद अब मौसम ने करवट ले ली है। शनिवार दोपहर बाद शुरू हुई हल्की बारिश ने धीरे-धीरे पूरे क्षेत्र का तापमान कम कर दिया। वहीं रविवार सुबह से तेज हवाओं के साथ लगातार बारिश का दौर जारी रहा, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से काफी राहत मिली है। मौसम में आए इस बदलाव का असर ऊंचाई वाले इलाकों में भी साफ नजर आया। धौलाधार

की पहाड़ियों पर ताजा बर्फबारी दर्ज की गई है, जिससे पहाड़ एक बार फिर सफेद चादर से ढक गए हैं। इस खूबसूरत नजारे ने पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है, जबकि स्थानीय लोग ठंडी हवाओं और सुहावने मौसम का आनंद ले रहे हैं।लगातार हो रही बारिश और ठंडक भरी हवाओं से वातावरण में ताजगी घुल गई है। लोगों ने भी राहत महसूस करते हुए गर्मी से छुटकारा पाया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना है, जिससे तापमान में और गिरावट आ सकती है।

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

हमीरपुर जिले के हड़ेटा क्षेत्र में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विकसित किया जा रहा नवजीवन पार्क अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। वन विभाग द्वारा तैयार किए जा रहे इस पार्क का उद्घाटन आगामी अगस्त माह में किए जाने की तैयारी है, जिसके बाद इसे आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। करीब 125 कनाल क्षेत्र में फैले इस नवजीवन पार्क को पर्यटन की दृष्टि से आकर्षक बनाने के लिए कई सुविधाएं विकसित की गई हैं। पार्क परिसर में कॉर्टेज का निर्माण किया गया है, ताकि पर्यटक यहां ठहरने का आनंद ले सकें। इसके अलावा बच्चों के लिए किड्स प्ले एरिया और आउटडोर जिम की सुविधा भी

आस्था चिंतपूर्णी मंदिर में भक्तों की भीड़, बाजार में सन्नाटा



विकास | चिंतपूर्णी
समर न्यूज़

श्री चिंतपूर्णी मंदिर में रविवार को मौसम की खराबी के बावजूद श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से हो रही रिमझिम बारिश और तापमान में गिरावट भी भक्तों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। माता के दर्शन के लिए दूर-दूर से आए श्रद्धालु लंबी कतारों में खड़े नजर आए, जो ओल्ड बस स्टैंड तक

पहुंच गईं। भक्त लगातार जयकारे लगाते हुए धैर्यपूर्वक अपनी बारी का इंतजार करते रहे। मंदिर परिसर पूरे दिन श्रद्धालुओं से भरा रहा, लेकिन दूसरी ओर लगातार बारिश ने स्थानीय व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ा दीं। बारिश के चलते अधिकतर श्रद्धालु सीधे कतारों में लगे रहे और बाजार की ओर कम रुख किया, जिससे दुकानों में ग्राहकों की कमी साफ देखने को मिली। व्यापारियों का कहना है कि रविवार जैसे



व्यस्त दिन पर भी बिक्री प्रभावित रही, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा।इस दौरान सुगम दर्शन प्रणाली का उपयोग करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भी कमी दर्ज की गई। अधिकांश लोगों ने पास लेने के बजाय सामान्य कतार के माध्यम से ही दर्शन करना उचित समझा, जिससे लाइनों की लंबाई और बढ़ गई। व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। मंदिर अधिकारी

संजीव प्रभाकर के अनुसार, भीड़ और मौसम को ध्यान में रखते हुए पहले से ही व्यापक इंतजाम किए गए थे। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए अतिरिक्त पुलिस बल और सेवादार तैनात किए गए थे। प्रशासन ने यह सुनिश्चित किया कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद दर्शन प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के जारी रहे और सभी भक्तों को सुरक्षित तरीके से दर्शन करने का अवसर मिल सके।

विलासपुर में तूफान-बारिश का कहर, पेड़ गिरने से कई रास्ते बंद

सुभाष | विलासपुर
समर न्यूज़

विलासपुर जिले में देर रात आए तेज तूफान और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। खराब मौसम के चलते शहर के कई इलाकों में पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे यातायात बाधित हो गया और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। शहर में पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास एक बड़ा पेड़ सड़क के बीचों-बीच गिर गया, जिससे मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। वहीं धौलरा चौक से कोर्ट मार्ग पर भी पेड़ गिरने के कारण वाहनों की आवाजाही ठप हो गई। इस दौरान बिजली विभाग की तांर भी क्षतिग्रस्त हो गईं, जिससे कुछ क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई।इसके अलावा चंपा पार्क के पास भी एक पेड़ गिरा, हालांकि वहां किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है।

रामपुर-खनेरी की 20% नर्सिंग छात्राओं का टीबी संक्रमित होना दुर्भाग्यपूर्ण: जयराम ठाकुर टीबी उन्मूलन के लिए केंद्र योजनाएं चला रहा और सुक्खू सरकार खामोश बैठी हैं

समर न्यूज़ | शिमला

शिमला से जारी बयान में पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि रामपुर-खनेरी के महात्मा गांधी मेमोरियल नर्सिंग संस्थान एवं अस्पताल में पढ़ रही 90 में से 19 नर्सिंग छात्राओं को किसी न किसी प्रकार से टीबी का संक्रमण होना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। एक ही परिसर में इतनी छात्राओं के संक्रमित होने और इसके बाद भी सरकार द्वारा कोई प्रभावी कदम न उठाया जाना अत्यंत शर्मनाक है। नर्सिंग की पढ़ाई कर रही छात्राओं के परिजनों द्वारा महात्मा गांधी मेमोरियल नर्सिंग संस्थान, रामपुर-खनेरी के चिकित्सा अधीक्षक को लिखा गया पत्र सरकार की नाकामी के साथ-साथ केंद्र सरकार द्वारा



चलाए जा रहे टीबी उन्मूलन के युद्ध स्तर के प्रयासों को भी नाकाम करने की कहानी कह रहा है। जयराम ठाकुर ने कहा कि पूरा देश टीबी के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ रहा है। केंद्र सरकार द्वारा हर स्तर पर राज्यों का सहयोग किया जा रहा है। विश्व स्तरीय कंपनियों की दवाइयां हर मरीज तक पहुंचाने और संक्रमण का चक्र रोकने के लिए उपलब्ध करवाई जा रही हैं। राज्यों को मुहम्मिया बजट दिया जा रहा है।

इसके बाद भी चिकित्सा संस्थान में नर्सिंग का प्रशिक्षण ले रही छात्राओं का इस प्रकार से संक्रमित होना समझ से परे है। केंद्र सरकार के भरपूर सहयोग के बाद भी राज्य सरकार का उदासीन रवैया निंदनीय है। इतनी गंभीर समस्या के खिलाफ चल रही युद्ध स्तर की लड़ाई को सरकार द्वारा इतनी संवेदनहीनता से लिया जाना टीबी के खिलाफ मुहिम के लिए भी खतरनाक है। रामपुर-खनेरी में पढ़ रही छात्राओं के परिजनों द्वारा लिखे पत्र में यह साफ हुआ है कि कई छात्राओं को खतरनाक स्तर की एमडीआर-टीबी (मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस) का उपचार भी दिया जा रहा है। इससे स्पष्ट है कि जब छात्राओं में संक्रमण का पता चला तो उनका समुचित उपचार नहीं किया गया।

मोहाली, जीरकपुर और डेराबस्सी में आंधी-बारिश का कहर, पेड़ गिरे, जलभराव से जनजीवन प्रभावित

मोहाली में मंदिर का मुख्य गेट टूटा, कई वाहन क्षतिग्रस्त; जीरकपुर-डेराबस्सी में सड़कों पर भरा पानी, बिजली-पानी सप्लाई भी प्रभावित



गुरबख्श कालोनी में जाने वाले रास्ते पर भरे पानी में से छोटे बच्चों के निकलता परिवार। (2) डेराबस्सी बरवाला सड़क पर पानी में से निकलते वाहन। (3) बारिश की वजह से गिरे पेड़। (4) सड़क पर गिरे पेड़ को उखाटी हुई जेसीबी। - समर न्यूज

गुरशरण सिंह/गुरमीत सिंह
मोहाली/जीरकपुर/डेराबस्सी
समर न्यूज

ट्राईसिटी क्षेत्र में रविवार सुबह मौसम ने अचानक करवट लेते हुए भारी तबाही मचा दी। तेज धूल भरी आंधी, गरज-चमक और भारी बारिश के कारण मोहाली, जीरकपुर और डेराबस्सी के कई इलाकों में पेड़ गिर गए, बिजली के खंभे टूट गए, वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और कई जगह जलभराव की स्थिति बन गई। मौसम के इस बदले मिजाज ने एक तरफ लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं दूसरी ओर आम जनजीवन

को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। मोहाली में सबसे ज्यादा नुकसान फेज-7 स्थित सनातन धर्म मंदिर में हुआ। यहां मंदिर के मुख्य गेट पर लगा एक पुराना बरगद का पेड़ तेज आंधी के चलते अचानक गिर पड़ा। पेड़ गिरने से मंदिर का मुख्य गेट और जूता घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के समय मंदिर के बाहर खड़ी श्रद्धालुओं की दो कारों और दो दोपहिया वाहन भी इसकी चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गए। स्थानीय निवासी जतिंदर आनंद ने बताया कि हादसे के दौरान एक व्यक्ति मंदिर के पास मौजूद

था, जिसे काफी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके अलावा पास में लगा बिजली का खंभा भी टूटकर सड़क पर गिर गया, जिससे कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। फेज-6 में भी तेज तूफान के कारण लोगों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। पूर्व पार्श्व आरपी शर्मा ने बताया कि कोठी नंबर 45, 87, 435, 518 और 767 के बाहर खड़े पेड़ और बिजली के खंभे टूटकर घरों और वाहनों पर गिर गए। इससे कई परिवारों की संपत्ति को नुकसान पहुंचा। फेज-4 में भी हालात गंभीर रहे। पूर्व पार्श्व गुरमुख सिंह सोहल

ने बताया कि इलाके में 8 से 9 स्थानों पर पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आईं। कई जगह बिजली की तारें और खंभे टूट गए, जिससे बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। उन्होंने बताया कि जब पावरकॉम अधिकारियों से संपर्क किया गया तो उन्होंने जानकारी दी कि बिजली कर्मचारी हड़ताल पर हैं, जिसके चलते राहत कार्यों में देरी हो रही है। फेज-3ए में पंजाब जल सप्लाई एवं सीवरेज बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सनी सिंह आहलुवालिया के घर के बाहर भी एक बड़ा पेड़ गिर गया, जिससे सड़क पर आवाजाही बाधित हो गई। वहीं फ्रीडम फाइटर पार्क में

भी कई पेड़ टूटकर गिर गए। पूर्व पार्श्व रुपिंदर कौर रीना ने बताया कि फेज-4 में कोठी नंबर 87 के बाहर एक पीपल का पेड़ गिरने से कई गाड़ियां और दोपहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। शहर के अन्य इलाकों में भी इसी तरह की घटनाएं सामने आईं। वहीं जीरकपुर और डेराबस्सी में भारी बारिश ने नगर परिषद और प्रशासन के दारों की पोल खोल दी। सुबह तेज धूल भरी हवाओं के बाद शुरू हुई बारिश से कई सड़कें और गलियां पानी में डूब गईं। सुबह करीब 7 बजे तक आसमान में घना अंधेरा छाया रहा और लोगों को मई महीने में भी ठंडक महसूस हुई।

बारिश के कारण तापमान में करीब 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई और सुबह का तापमान करीब 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। जीरकपुर के कई आंतरिक इलाकों में पेड़ों की टहनियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं, जिससे कुछ समय तक ट्रेफिक प्रभावित रहा। लगातार बिजली कड़कने से लोगों में डर का माहौल बना रहा। पावरकॉम ने एहतियात के तौर पर कई क्षेत्रों की बिजली सप्लाई अस्थायी रूप से बंद कर दी, जिससे पानी की सप्लाई भी प्रभावित हुई। डेराबस्सी-बरवाला रोड पर भी भारी जलभराव देखने को मिला। गुरबख्श



जीरकपुर में भरे पानी की तस्वीर। (दाएं) मोहाली में गिरा हुआ पेड़। - समर न्यूज

कॉलोनी की ओर जाने वाले रास्तों पर पानी भर जाने से लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। कई वाहन पानी के बीच से गुजरते नजर आए, जबकि छोटे बच्चों के साथ परिवारों को भी जलभराव वाले रास्तों से निकलना पड़ा।

हालांकि राहत की बात यह रही कि खबर लिखे जाने तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली थी। प्रशासन अब नुकसान का आकलन करने और प्रभावित इलाकों में राहत कार्य शुरू करने में जुटा हुआ है।

मोहाली से सीएम भगवंत मान का युवाओं को संदेश

नौकरी ढूंढने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनो

सेनेटा गांव की लोक मिलनी में विपक्ष पर जमकर बरसे मुख्यमंत्री, बोले- पंजाब में अब विदेश जाने की जरूरत नहीं

समर न्यूज | मोहाली

मोहाली में आयोजित लोक मिलनी कार्यक्रम के दौरान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने युवाओं को बड़ा संदेश देते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि पंजाब के युवा नौकरी तलाशने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बनें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऐसा माहौल तैयार कर रही है, जिसमें युवा अपना कारोबार शुरू कर सकें और सरकार उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराएगी।



मोहाली के सेनेटा गांव में लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अब पंजाब के युवाओं को रोजगार के लिए विदेशों की ओर रुख करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि राज्य सरकार प्रदेश में ही रोजगार के नए अवसर पैदा कर रही है। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार युवाओं के भविष्य को मजबूत करने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है।



मुख्यमंत्री ने पूर्व की अकाली दल और कांग्रेस सरकारों पर तीखा हमला बोलाते हुए कहा कि पिछली सरकारों हमेशा राज्य का खजाना खाली होने

का बहाना बनाती रहीं, लेकिन उनकी सरकार ने कभी ऐसा नहीं कहा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की नीयत साफ है, इसलिए लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। भगवंत मान ने कहा कि चार साल के कार्यकाल में उनकी सरकार ने न केवल जनता से किए गए वादों को पूरा किया है बल्कि उससे भी

ज्यादा काम करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि सिस्टम पहले भी यही था, लेकिन काम करने की इच्छा शक्ति की कमी थी। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके खिलाफ कोई ठोस मुद्दा नहीं होने के कारण विरोधी दल निजी और झूठे आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने की

कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष उनकी सरकार के विकास कार्यों से घबराया हुआ है। उन्होंने कहा कि 5 मई को वह भारत के राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे और नेताओं की दल-बदल की राजनीति के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि बार-बार पार्टी बदलना जनता के जनादेश का अपमान है।



पूर्व विधायक एन के शर्मा अकाली दल में शामिल लोगों का स्वागत करते। - समर न्यूज

ही ऐसी पार्टी है जिसने जीरकपुर में विकास की योजनाओं को लागू किया है। उन्होंने कहा कि यहां करीब एक साल तक नगर परिषद में बैठक का आयोजन नहीं किया गया। भाजपा छोड़कर अकाली दल में शामिल हुए कार्यकर्ताओं व नेताओं का स्वागत करते हुए एन के शर्मा अकाली दल ने हमेशा ही महिलाओं को उचित मान सम्मान दिया है। पंजाब में

अकाली दल की सरकार के सत्ता में आने पर महिलाओं के हित में कई योजनाओं को पहले ही दिन से लागू किया जाएगा। इस अवसर पर प्रदीप सिक्का, सीमा सिक्का, जतिंदर, अतुल मेहरा, पंकज बत्तार, नीतू नैथानी, संदीप गर्ग, सुरेश शर्मा, अंजु, संगीता शर्मा, विमल बत्तार, बीनू बत्तार, अमित नागपाल, अमरीक सिंह समेत कई गणमान्य मौजूद थे।

नगर निकाय चुनाव से पहले जीरकपुर में सियासी सरगर्मियां तेज

गुरमीत सिंह | जीरकपुर
समर न्यूज

जीरकपुर में नगर परिषद चुनाव की औपचारिक घोषणा भले ही अभी नहीं हुई है, लेकिन राजनीतिक गतिविधियां अपने चरम पर हैं। संभावित उम्मीदवारों ने जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है और सोशल मीडिया के जरिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। विकास कार्यों को लेकर राजनीतिक दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है।



है। 31 वार्डों वाली जीरकपुर नगर परिषद में कई वार्डों की आरक्षित श्रेणी में बदलाव किया गया है, जिसने पुराने और संभावित उम्मीदवारों के चुनावी गणित को पूरी तरह बदल दिया है। प्रमुख बदलाव: वार्ड नंबर 15 को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। आरक्षण में फेरबदल के कारण कई मौजूदा पार्श्व अपने पुराने वार्डों से चुनाव नहीं लड़ सकेंगे, जिससे उन्हें अपनी रणनीति और वार्ड बदलने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

गुरमीत सिंह | डेराबस्सी
समर न्यूज

दावेदारी: कई नेता अब नए वार्डों में अपना आधार मजबूत करने और टिकट पाने के लिए लामबंदी करने में जुटे हैं।

विवाद और चुनावी तैयारी -

आरक्षण के अलावा, वोटर सूचियों में कथित गड़बड़ी और नाम गायब होने को लेकर भी विवाद गहरा गया है, जिस पर विपक्षी दलों ने प्रशासन के इस खिलाफ प्रदर्शन भी किए हैं। आम आदमी पार्टी, कांग्रेस, भाजपा और अकाली दल समेत सभी प्रमुख पार्टियां अपने स्तर पर चुनावी गुणा-भाग में जुटी हैं और वार्ड-वार समीकरणों का अध्ययन कर रही हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि आने वाले दिनों में जीरकपुर का सियासी पारा और अधिक बढ़ सकता है।

मोहाली में

विरुद्ध कांग्रेसी नेता और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह सिद्धू ने कमशियल गैस सिलेंडरों की कीमतों में की गई भारी बढ़ोतरी को छोटे कारोबारियों और आम लोगों के खिलाफ सोची-समझी साजिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के इस फैसले से छोटे व्यापारियों, होटल कारोबारियों और आम परिवारों पर सीधा असर पड़ेगा। जारी बयान में बलबीर सिंह सिद्धू ने कहा कि एक ही दिन में कमशियल गैस सिलेंडर की कीमतों में की गई बड़ी बढ़ोतरी यह साबित करती है कि केंद्र सरकार को न तो छोटे व्यापारियों की चिंता है और न ही आम लोगों की रसोई की।

मोहाली स्थित लोक कल्याण केंद्र रामगढ़िया सभा मोहाली की नई प्रबंधक कमेटि का गठन कर पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी गईं। नव निर्वाचित प्रधान सरदार गुरचरण सिंह नन्नड़ा की अध्यक्षता में 1 मई को एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें नई कार्यकारिणी के सदस्यों को विभिन्न पदों की जिम्मेदारी दी गई। बैठक के दौरान सरदार प्रदीप सिंह भारज को सीनियर उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा सरदार परमजीत सिंह खुरल को भी सीनियर उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं बलविंदर सिंह हूंझण, मेजर सिंह भुल्लर, दीदार सिंह कलसी, कुलविंदर सिंह



सोखी और भूपिंदर सिंह चाहने को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। नई कमेटि में सरदार मोनंदर सिंह सोहल को सचिव नियुक्त किया गया, जबकि बलविंदर सिंह हूंझण को कोषाध्यक्ष बनाया गया। तेजिंदर सिंह सभरवाल को सहायक कोषाध्यक्ष, जसपाल सिंह विकर को प्रचार सचिव और सरवण सिंह कलसी को ऑडिटर नियुक्त किया गया। इसके अलावा विभिन्न

समितियों के चेयरमैन भी नियुक्त किए गए। मनजीत सिंह मान को धार्मिक समिति का चेयरमैन, कसम सिंह बबरा को हेल्थ कमेटि का चेयरमैन, निर्मल सिंह सभरवाल को बिल्डिंग कमेटि का चेयरमैन, हरविंदर सिंह रनौता को वोक्शेनल कोसंज कमेटि का चेयरमैन और सुरिंदर सिंह जंडू को लंगर कमेटि का चेयरमैन बनाया गया। इसके साथ ही रजिंदर सिंह मठाडू, नारायण

सिंह भुल्लर, चनप्रीत सिंह भुल्लर, सुरजीत सिंह मठाडू और सतनाम सिंह मल्होत्रा को कमेटि सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। इस अवसर पर रामगढ़िया सभा मोहाली की ओर से सरदार प्रदीप सिंह भारज को विशेष रूप से सम्मानित भी किया गया। हाल ही में उन्हें शिरोमणि अकाली दल के व्यापार और उद्योग विंग पंजाब का सीनियर उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

गुरुद्वारा सिंह शहीदां में 12 मई को मनाया जाएगा सरहिंद फतह दिवस

समर न्यूज | मोहाली

मोहाली के सोहाना स्थित धन-धन अमर शहीद जयदेवर बाबा हनुमान सिंह जी के शहीदी स्थल गुरुद्वारा सिंह शहीदां में 316वें सरहिंद फतह दिवस के उपलक्ष्य में 12 मई को विशेष गुरमत समगम का आयोजन किया जाएगा।



गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, इस धार्मिक आयोजन को लेकर संगतों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम के तहत सुबह 9 बजे श्री सहज पाठ साहिब के भोग डाले जाएंगे। इसके बाद श्री दरबार साहिब अमृतसर से पहुंचने वाले हजुरी रागी जय्थे गुरबाणी कीर्तन के माध्यम से संगतों को निहाल करेंगे। वहीं इंटरनेशनल डाडी जय्थे भी वीर रस से भरपूर वारों के माध्यम से संगतों को इतिहास से जोड़ेंगे।

पोल **मुबारकपुर सड़क पर लगे कूड़े के ढेर स्वच्छ भारत अभियान की खोल रहे पोल**

सरकारी एलीमेंट्री स्मार्ट स्कूल मीरपुर के बाहर कूड़े के ढेर

गुरमीत सिंह | डेराबस्सी
समर न्यूज

क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का पूरी तरह जनाज निकल चुका है। लाखों रुपये खर्चें जाने के बावजूद लोग गंदगी भरे माहौल में रहने को मजबूर हैं। ऐसे हालात मुबारकपुर सड़क पर सरकारी एलीमेंट्री स्मार्ट स्कूल मीरपुर के बाहर लगे कूड़े के ढेर देख के मिलते हैं। यहां छोटे-छोटे बच्चे पढ़ने आते हैं, लेकिन कूड़े के पास से होकर ही स्कूल जाना पड़ता है। यह सिलसिला पिछले कई सालों से चल रहा है। स्कूल प्रबंधन ने कई बार शिकायत भी की, लेकिन लोगों द्वारा कूड़ा फेंकना बंद नहीं हुआ। गांव वासियों ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि 11 साल पहले गांव मीरपुर और मुबारकपुर को डेराबस्सी नगर

कौंसल में शामिल किया गया था। विकास कार्यों पर करोड़ों रुपये खर्च करने के दावे किए गए, लेकिन सफाई का हाल आज भी खराब है। उक्त स्कूल के बाहर कई-कई दिन सफाई नहीं होती। छोटे बच्चों को इस परेशानी को झेलना पड़ रहा है। मीरपुर निवासी संजीव कुमार ने सड़क किनारे लगे कूड़े के ढेर को दिखाते हुए कहा कि यहां कई सालों से खुले में कूड़ा फेंका जा रहा है और गंदगी फैल रही है। यहां कूड़ा उठाने की जगह आग लगा दी जाती है, जिससे आबोहवा तो प्रदूषित हो ही रही है, वहीं हरे-भरे पेड़ों को भी नुकसान पहुंच रहा है। कई बड़े-बड़े पेड़ आग की लपेट में आने के कारण खत्म हो चुके हैं। क्षेत्र के लोगों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि डेराबस्सी नगर कौंसल सफाई-सफाई की ओर ध्यान नहीं दे रही।



संजीव कुमार मुबारकपुर से डेराबस्सी को जाती सड़क किनारे लगा कूड़े का ढेर दिखाते हुए। - समर न्यूज

जीरकपुर में जमीनों के आसमान छूते रेट, बेईमानी पर उतरे लोग

गुरमीत सिंह | जीरकपुर
समर न्यूज

जीरकपुर में एक महिला की जमीन से कथित धोखाधड़ी कर जालसाजी के लिए बिन्नी करने के आरोपों में पुलिस ने एक पटवारी और उसके साथी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान पटवारी जगदीश शर्मा और उसके साथी मधु सिंह के रूप में हुई है। शिकायतकर्ता जसविंदर कौर ने पुलिस को बताया कि उन्हें वर्ष 2007 में अपनी मां से बड़ी जमीन वीरासत में मिली थी। पारिवारिक समझौते और अन्य लेन-देन के बाद उनके पास करीब 9 एकड़ जमीन बच गई थी। उन्होंने कहा कि इस जमीन से संबंधित अदालत ने स्टेटस को जारी किया था। शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने वर्ष 2012 में जालसाजी कर जमीन के रिकॉर्ड तैयार किए और असल रिकॉर्ड में दर्ज अदालती रोक को छिपा लिया। आरोप

है कि आरोपी जसविंदर कौर को कहीं और ले गए और झूठे भरोसे के आधार पर मधु सिंह के हक में जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी (जीपीए) पर हस्ताक्षर करवा लिए। इसके बाद मधु सिंह ने 6 बोधा जमीन की रजिस्ट्री जगदीश शर्मा की मां सीता देवी के नाम करवा दी। मामला वर्ष 2022 में सामने आया जब आरोपियों ने जमीन की म्यूटेशन मंजूर करवाने की कोशिश की। तहसीलदार ने दस्तावेजों में गड़बड़ी के संदेह में म्यूटेशन रद्द कर दिया। बाद की जांच में जिन पटवारियों के हस्ताक्षर दस्तावेजों पर दिखाए गए थे, उनमें से एक ने पुलिस को बताया कि उसके हस्ताक्षर स्कैन कर जालसाजी से इस्तेमाल किए गए हैं। माल विभाग और पुलिस अधिकारियों की जांच के बाद एसएसपी मोहाली ने एफआईआर दर्ज करने की मंजूरी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।



नगर निगम पंचकूला चुनाव प्रचार अब पूरी तरह रफ्तार पकड़ चुका है। प्रत्याशी वोटरों तक पहुंचने के लिए ऑटो रिक्शा का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं। शहर के अलग-अलग वार्डों में ऑटो पर लाउडस्पीकर लगाकर उम्मीदवार अपने पक्ष में माहौल बनाने में जुटे हैं। कहीं प्रचार गीत बज रहे हैं तो कहीं उम्मीदवारों के वादे सुनाए जा रहे हैं। चुनावी माहौल के बीच ऑटो प्रचार का प्रमुख माध्यम बन गए हैं।

विकास और शिक्षा को लेकर भाजपा का दावा, जीत के बाद हर समस्या का होगा समाधान

शगुन कश्यप | पंचकुला
समर न्यूज़

पंचकुला में 10 मई 2026 को होने वाले नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में भारतीय जनता पार्टी के प्रभारी विशाल सेठ ने शहर के विकास और आगामी योजनाओं को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि विकास एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो कभी रुकती नहीं। हर राजनीतिक पार्टी अपने निर्धारित बजट के अनुसार विकास कार्य करती है और जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता है, नए-नए कार्यों की आवश्यकता भी सामने आती रहती है। विशाल सेठ ने कहा कि यदि किसी पार्टी के पास विकास के मुद्दे खत्म हो जाएं तो समझ लेना चाहिए कि उसके पास आगे की सोच नहीं है। उन्होंने वार्ड नंबर 3 की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि वहां कुछ छोटी-छोटी परेशानियां हैं, जिन पर काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में रीडिंग रूम की कमी है



और सुरक्षा की और मजबूत करने के लिए सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाने की योजना बनाई जा रही है। हालांकि, कुछ स्थानों पर पहले से कैमरे लगे हैं, लेकिन पूरे क्षेत्र को कवर करने के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंचकुला में अपराध दर पहले ही काफी कम है, लेकिन इसे और बेहतर बनाने के लिए सुरक्षा उपायों को मजबूत करना जरूरी है। शहर को देश के अग्रणी शहरों में शामिल करने के उद्देश्य से योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। बीजेपी प्रभारी ने कहा कि हर शहर के विकास के लिए एक स्पष्ट एजेंडा तैयार किया जाता है और उसी के तहत कार्य होते हैं। यदि किसी क्षेत्र में विशेष आवश्यकता

होती है तो उस पर प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाता है। उन्होंने महिला सुरक्षा को भी प्रमुख मुद्दा बताते हुए कहा कि जहां महिलाएं सुरक्षित होती हैं, वही शहर सही मायनों में विकसित माना जाता है। शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़ी योजना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि आने वाले समय में पंचकुला में एक यूनिवर्सिटी स्थापित करने की योजना है। इसके लिए उच्च अधिकारियों के साथ बातचीत जारी है, जिससे स्थानीय छात्रों को चंडीगढ़ जाने की जरूरत न पड़े और उन्हें अपने ही शहर में बेहतर शिक्षा मिल सके। विशाल सेठ ने भरोसा जताया कि आगामी नगर निगम चुनाव में बीजेपी प्रचंड जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा

कि जनता की मूलभूत समस्याएं जैसे सीवरेज, पानी और अन्य सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा और लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने पंचकुला नगर निगम में हुए एक कथित बड़े घोटाले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह मामला काफी गंभीर है और जैसे ही जांच में यह स्पष्ट होगा कि इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस घोटाले का पर्दाफाश भी बीजेपी सरकार के द्वारा ही किया गया है। कुल मिलाकर, बीजेपी प्रभारी ने विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता को अपना मुख्य एजेंडा बताते हुए जनता से समर्थन की अपील की।

वार्ड-19 में कांग्रेस उम्मीदवार सुरेंद्र ने विकास को बनाया मुख्य मुद्दा

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज़

पंचकूला में आगामी 10 मई को होने वाले नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा चुका है। चुनाव में करीब एक सप्ताह का समय शेष है और सभी राजनीतिक दल अपने-अपने वादों और उपलब्धियों के आधार पर जनता के बीच समर्थन जुटाने में लगे हैं। उम्मीदवार अपने कार्यों को लेकर आत्मविश्वास जताते नजर आ रहे हैं, जबकि अंतिम फैसला अब मतदाताओं के हाथ में है। वार्ड नंबर 19 से कांग्रेस उम्मीदवार सुरेंद्र सिंह राठी ने दावा किया है कि उन्हें अपने क्षेत्र में लोगों का व्यापक समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता अब पहले से अधिक जागरूक हो चुकी है और किसी भी बाहरी प्रचार या बड़े नेताओं के प्रभाव में आकर वोट नहीं देगी। राठी ने यह भी कहा कि चुनाव में जीत या हार पूरी तरह जनता के निर्णय पर निर्भर करती है। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नाथन सिंह सेनी पंचकूला में आकर अपनी पार्टी का प्रचार कर रहे हैं, लेकिन इससे स्थानीय मतदाताओं के निर्णय पर कोई विशेष असर नहीं



पड़ेगा। उनके अनुसार, लोग अब उम्मीदवार की क्षमता और काम के आधार पर फैसला लेते हैं। सुरेंद्र सिंह राठी ने अपने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को उजागर करते हुए कहा कि पानी की किरलत यहां की सबसे बड़ी समस्या है, जिससे लोग लंबे समय से जूझ रहे हैं। इसके अलावा सफाई व्यवस्था भी बेहद खराब है और पार्कों में गंदगी के कारण लोगों का बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों से बीजेपी सत्ता में रहने के बावजूद बुनियादी सुविधाओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। राठी ने वादा किया कि चुनाव जीतने के बाद वे प्राथमिकता के आधार पर इन समस्याओं का समाधान करेंगे और क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगे। उन्होंने कांग्रेस की विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी ने हमेशा विकास को प्राथमिकता दी है और आगे भी जनता के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

400 करोड़ के दावों पर जनता ने उठाए सवाल अधूरे प्रोजेक्ट, खराब सड़कें, जलभराव और बिजली कटौती से नाराज लोग

मुकुल शर्मा | पंचकुला
समर न्यूज़

पंचकूला में 10 मई को होने वाले नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल पूरी तरह गर्म हो चुका है। चुनाव से पहले जहां सभी पार्टियां अपने-अपने विकास कार्यों का दावा कर रही हैं, वहीं जमीनी स्तर पर जनता की राय कुछ अलग हो तत्वीर पेश कर रही है। पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल द्वारा करीब 400 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का दावा किया गया था, लेकिन कई स्थानीय निवासियों का कहना है कि वास्तविकता में यह विकास उम्मीद के मुताबिक नहीं दिखता। स्थानीय निवासी ज्योति का कहना है कि पंचकूला में जितना विकास वादा किया गया था, उतना जमीन पर नजर नहीं आता। उन्होंने भ्रष्टाचार और घोटालों के आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि विकास के नाम पर पैसा तो आता है, लेकिन उसका सही उपयोग कहां हो रहा है, यह स्पष्ट नहीं है। उनका यह भी कहना है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन जीत के बाद जनता की समस्याओं की अनदेखी



होती है। वहीं राजेश ने भी 400 करोड़ रुपये के विकास के दावे पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि इतनी बड़ी राशि वास्तव में खर्च की गई होती तो शहर की स्थिति कुछ और होती। उन्होंने बताया कि कई परियोजनाएं, जैसे कम्यूनिटी सेंटर की इमारत, अभी तक अधूरी पड़ी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वीआईपी क्षेत्र होने के कारण कुछ इलाकों में सुविधाएं बेहतर हैं, लेकिन समग्र रूप से पंचकूला, मोहाली जैसे शहरों से पीछे नजर आता है। दिनेश कुमार



कश्यप, जो पिछले 31 वर्षों से पंचकूला में रह रहे हैं, ने कहा कि वर्षों पहले शहर को 'स्विट्जरलैंड' बनाने की बात कही गई थी, लेकिन अब तक करीब 25 प्रतिशत ही काम हो पाया है। उन्होंने माना कि कुछ विकास कार्य हुए हैं और बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं, लेकिन अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची हैं। उनका कहना है कि आने वाली सरकार को अधूरे विकास कार्यों को पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए। अजय ने क्षेत्र की बुनियादी समस्याओं की ओर ध्यान



दिलाते हुए कहा कि सड़कों की हालत खराब है, बारिश में जलभराव की समस्या हो जाती है, बिजली कटौती होती रहती है और आवारा पशुओं की समस्या भी गंभीर बनी हुई है। कुल मिलाकर, पंचकूला की जनता विकास को ही सबसे बड़ा मुद्दा मान रही है। लोगों की अपेक्षा है कि जो भी उम्मीदवार चुनाव जीतकर आए, वह सेवा भावना के साथ काम करे और शहर के अधूरे विकास को पूरा करे, ताकि आने वाले समय में उन्हें अपने वोट के फैसले पर पछतावा न हो।

शगुन कश्यप | पंचकुला
समर न्यूज़

पंचकूला नगर निगम चुनाव को लेकर सियासी माहौल पूरी तरह गर्म हो चुका है। सभी राजनीतिक दल अपने-अपने उम्मीदवारों के साथ चुनावी मैदान में उतर चुके हैं और मतदाताओं को लुभाने के लिए लगातार जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। इसी बीच वार्ड नंबर-3 से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सुरेश वर्मा ने अपनी जीत का दावा करते हुए कहा है कि जनता एक बार फिर विकास के नाम पर उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएगी। समर न्यूज़ से विशेष बातचीत में भाजपा उम्मीदवार सुरेश वर्मा ने अपने चुनावी एजेंडे, पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों और विपक्ष पर कई बड़े बयान दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा चुनाव के लिए तैयार रहने वाली पार्टी है और जनता के बीच लगातार काम करने में विश्वास रखती है। सुरेश वर्मा इससे पहले वार्ड नंबर-2 से पार्षद रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्षेत्र में कई विकास कार्य करवाए, जिसके आधार पर पार्टी हार्दिकमान ने

एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए वार्ड नंबर-3 से टिकट दिया है। उन्होंने कहा कि फरवरी महीने से ही उन्होंने वार्ड नंबर-3 में सक्रिय रूप से काम शुरू कर दिया था। क्षेत्र की समस्याओं को समझने के लिए लगातार लोगों के बीच रहे और अब जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है। सुरेश वर्मा ने दावा किया कि लोग उनके पुर्ण कार्यों से संतुष्ट हैं और यही कारण है कि इस बार भी उन्हें मजबूत समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि उनका राजनीति करने का उद्देश्य केवल विकास है। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए सुरेश वर्मा ने कहा कि इस बार कांग्रेस के पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल भ्रम फैलाने की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास उम्मीदवारों की भी कमी थी और मजबूरी में उन्हें टिकट देना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के पार्षद और विधायक ने कभी जनता के असली मुद्दों को गंभीरता से नहीं उठाया। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि केंद्र, राज्य और नगर निगम में भाजपा की सरकार होने से विकास कार्यों



को तेजी मिलेगी। उन्होंने दावा किया कि इस बार पंचकूला नगर निगम में भाजपा पूर्ण बहुमत से जीत हासिल करेगी और मेयर भी भाजपा का ही बनेगा। निर्दलीय उम्मीदवारों पर निशाना साधते हुए सुरेश वर्मा ने कहा कि कुछ उम्मीदवार केवल चुनावी माहौल खराब करने और लोगों को गुमराह करने के लिए मैदान में उतरते हैं। उन्होंने कहा कि असली विकास केवल मजबूत सरकार ही कर सकती है। जब उनसे चुनाव जीतने के बाद की प्राथमिकताओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि सबसे पहले अधूरे पड़े कम्यूनिटी सेंटर का निर्माण पूरा

करवाया जाएगा। इसके अलावा उन्होंने डोर-टू-डोर गार्बेज कलेक्शन व्यवस्था को मजबूत करने की बात कही ताकि क्षेत्र में सफाई व्यवस्था बेहतर हो सके। उन्होंने कहा कि वार्ड में कई जगह सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है क्योंकि पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे नहीं हैं। इसे दूर करने के लिए बड़े स्तर पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे ताकि चोरी और अन्य घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। सुरेश वर्मा ने कहा कि उनका मुकाबला मुख्य रूप से कांग्रेस उम्मीदवार से है और निर्दलीय उम्मीदवार ज्यादा प्रभाव नहीं डाल पाएंगे। उन्होंने कहा कि जनता उनके काम को अच्छी तरह जानती है और इस बार भी उन्हें भारी मतों से जीत दिलाएगी। वार्ड नंबर-3 इस बार पंचकूला नगर निगम चुनाव का अहम केंद्र बन गया है। भाजपा प्रत्याशी सुरेश वर्मा अपने अनुभव, विकास कार्यों और आक्रामक चुनावी रणनीति के दम पर मजबूत दावेदार के रूप में नजर आ रहे हैं। अब देखना यह होगा कि जनता किस उम्मीदवार पर भरोसा जताती है और चुनाव परिणाम किसके पक्ष में जाते हैं।

पंचकूला चुनाव से पहले जनता बंटी राय में, विकास बना सबसे बड़ा मुद्दा, कहीं बीजेपी पर भरोसा, तो कहीं बदलाव की मांग



मुकुल शर्मा | पंचकुला
समर न्यूज़

पंचकूला में 10 मई को होने वाले नगर निगम चुनाव को लेकर राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमा चुका है। चुनाव में करीब एक सप्ताह का समय शेष है और सभी राजनीतिक दल अपने-अपने वादों और कार्यों के आधार पर मतदाताओं को लुभाने में जुटे हैं। इस बीच अंतिम फैसला जनता के हाथ में है, जो अपने क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए वोट देने की तैयारी कर रही है। इसी क्रम में पंचकूला से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे भानु प्रताप ने विशेष बातचीत में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवार सेवा और विकास के नाम पर वोट मांगते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के बाद पांच वर्षों तक जनता से दूरी बना लेते हैं। उनके अनुसार, यही वजह है कि लोग अब पारंपरिक पार्टियों से निराश हो चुके हैं। भानु प्रताप ने कहा कि उन्होंने जनता के लिए वास्तविक विकास कार्य करने के उद्देश्य से निर्दलीय चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। उनका मानना है कि "काम करने की नीयत हो तो विकास अपने आप हो जाता



है।" उन्होंने आरोप लगाया कि जनता के टैक्स का पैसा विकास की बजाय राजनीतिक दलों की सुविधाओं पर खर्च हो रहा है, जिसे बदलने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि पंचकूला में बिजली, पानी, सीवरेज और साफ-सफाई जैसी बुनियादी समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं। यदि उन्हें मौका मिलता है, तो वे इन मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल करेंगे। उनका कहना है कि वे ऐसा काम करना चाहते हैं कि अगली बार उन्हें वोट मांगने की जरूरत ही न पड़े और लोग खुद उनके कार्यों के आधार पर समर्थन दें। भानु प्रताप ने आरोप लगाया कि पिछले पार्षदों ने केवल मुख्य सड़कों तक ही विकास सीमित

रखा और कॉलोनिनों के अंदर की समस्याओं को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य के लिए जनता की भागीदारी और सुझाव बेहद जरूरी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें पहले बीजेपी से टिकट मिलने की उम्मीद थी, लेकिन टिकट न मिलने के बाद उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का फैसला किया। अंत में उन्होंने दावा किया कि उन्हें क्षेत्र की जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है और चुनाव परिणाम में यह समर्थन स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। अब यह देखना होगा कि पंचकूला की जनता इस बार पारंपरिक पार्टियों को चुनती है या किसी नए विकल्प को मौका देती है।